

15/7/20

फलजी पंच इही खुलास इय  
 कथे खुलास मुनी जल्म इअथयथा-  
 वारणां वा पखान् क्रिये जात ते  
 गधे मूल वाप दे किन्वाला म  
 राजास आध तिलवासनी के खमर, लंछ  
 544, 546 वा रेफर की यथादिदि  
 व्यायग रूनी जावे फलजी केसु  
 शुद्धा हाका जमा ते वाठ हें एक  
 मूल वाप दे साप नल्पी ही